[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6953 **J**

Unique Paper Code : 2132203601

Name of the Paper : SANSKRIT LITERATURE: KATHA-KAVYA, DSC

Name of the Course : **B.A. (P) WITH SANSKRIT, NEP UGCF 2022**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों/पद्यों का अनुवाद कीजिए: **3 x 6 = 18**

Translate any three of the following paragraphs/stanzas:

बुद्धेर्बुद्धिमतां लोके नाऽस्त्यगम्यं हि किञ्चन ।
बुद्ध्यायतोहतानन्दाश्चाणक्येनासिपाणयः॥

अथवा/or

पततिकदाचिन्नभसः खातेपातालतोऽपिजलमेति।
देवमचिन्त्यंबलवद्बलवान्ननुपुरुषाकारोऽपि॥

अथवा/or

मातृवत्परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत।
आत्मवत्सर्वभूतेषुयःपश्यतिसपण्डितः।

अथवा/or

तत्र शिप्राजले कृतस्नाना महाकालं प्रणम्य यावन्निर्गच्छन्ति तावद् भैरवनन्दो नाम योगी सम्मुखो बभूव। ततस्तं ब्राह्मणोचितविधिना सम्भाव्य तेनेव सह तस्य मठं जग्मुः। अथ तेन पृष्टाः कुतो भवन्तः समायताः? क्वयास्यथ ? किंप्रयोजनम्?

अथवा/or

अपरं त्वदीयं गीतं न मधुर स्वरम्, शङ्खशब्दानुकारं दुरादपि श्रूयते। तदत्र, क्षेत्रे रक्षापुरुषाः सुप्ता सन्ति। ते उत्थाय वधं बन्धनं वा करिष्यन्ति। तद् भक्षय तावदमृतमयाश्चिर्भटीः। मा त्वमत्र गीत व्यापारपरो भव।

अथवा/or

अस्ति दाक्षिणात्ये जनपदे पाटलीपुत्रं नाम नगरम्। तत्र मणिभद्रो नाम श्रेष्ठी प्रतिवसति स्म। तस्य च धर्मार्थकाममोक्षकर्माणि कुर्वतो विधिवशात् धनक्षयः सञ्जातः। ततो विभवक्षयादपमानपरम्परया परं विषादगतः।

P.T.O.

2.निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों/पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: **2 x 9 = 18**

Explain any two of the following paragraphs/stanzas with reference to context:

न धर्मशास्त्र पठतीति कारणं न चापि वेदाध्ययनं दुरात्मनः।
स्वभाव एवात्र तथातिरिच्यते यथा प्रकृत्या मधुरं गवां पयः॥

अथवा/or

अतिलोभो न कर्तव्यो लोभं नैव परित्यजेत।
अतिलोभाभिभूतस्य चक्रं भ्रमति मस्तके॥

अथवा/or

एवं सा नकुलं व्यापाद्य यावत्प्रलपन्ती गृहे आगच्छति,तावत्सुतस्तथैव सुप्तस्तिष्ठति। समीपे कृष्णसर्पं खण्डशः कृतमवलोक्य पुत्रवधशोकेनात्मशिरो वक्षस्थलञ्च ताडितुमारब्धा।

अथवा/or

वरं बुद्धिर्न सा विद्या इति यद्भवतोक्तं तत्रेयं मे मतिर्यत्.' न एकान्तेन बुद्धिरपि प्रमाणम्'।

3. निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 9

Explain any one of the following verses in Sanskrit:

अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानान्तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

अथवा/or

सर्वस्य हि परीक्ष्यन्ते स्वभावा नेतरे गुणाः।
अतीत्य हि गुणान्सर्वान्स्वभावो मूर्ध्नि वर्तते।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **2 x 18 = 36**

Answer any two of the following questions:

(i) कथाकाव्य के उद्भव एवं विकास का वर्णन कीजिये।
Explain the origin and development of katha - kavya.

अथवा/or

(ii) संस्कृत साहित्य में वर्णित नीतिकथाओं का उल्लेख करें।
Describe about the Niti Katha in Sanskrit Literature.

अथवा/or

(iii) क्षपणक कथा का सार शिक्षासहित लिखिए।
Write the summary of Kshapanak Katha with its Teaching.

अथवा/or

(iv) सिंह कारक ब्राह्मण कथा को अपने शब्दों में लिखिए। तथा इस कथा से क्या शिक्षा प्राप्त होती है?
Write the story of Simhakarak Brahman Katha in your own wordswith the moral of the story.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: **2 x 4.5= 9**

Write short notes on any two of the following:

बृहत्कथा, कथासरित्सागर, पुरुषपरीक्षा, पञ्चतन्त्र,वेतालपञ्चविंशतिका ,
Brihatkatha,Kathasaritsagar,Purushpariksha,Panchtantra,Vetalpanchvimshatika.